गोल्डी की सफलता का मूल मंत्र बेहतर क्वालिटी : सुदीप

ग्वालियर में वितरण एवं विक्रेताओं का सम्मान समारोह आयोजित

प्रबंध निदेशक गोयनका एवं बिक्री महाप्रबंधक आलोक सेठ रहे

ग्वालियर, 15 सितम्बर. भारत के सुप्रसिद्ध मसालों के निर्माता शुभम गोल्डी मसाले प्रा.लि. कानपुर द्वारा ग्वालियर में वितरक व विक्रेताओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया. समारोह में कम्पनी के प्रवन्ध निदेशक सुदीप गोयनका ने गणेश पूजन व दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया.

ग्वालियर के होटल क्लाकर्स इन सुइट्स में आयोजित समारोह में सुदीप गोयनका ने कहा कि गोल्डी समूह के निदेशकों, वितरकों एवं कर्मचारियों की कडी मेहनत, बढ़िया क्वालिटी एवं वाजिब दाम के साथ मार्केटिंग के बदलते दौर में जो नए प्रयोग किए वही गोल्डी की सफलता के मूल मंत्र हैं. उन्होंने कहा कि शुद्धता हमारी पहचान है और हमें अब अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलना होगा.

उन्होंने कहा कि गोल्डी ने अपने सभी वितरकों के मध्य समान मार्केटिंग सिस्टम से ही आज सफलता के इस मुकाम पर अपनी जगह बनाई है. नेटवर्क पर प्रकाश डालते हुए भविष्य की योजनाओं के बारे में बताया गया और देश के साथ विदेशों में भी गोल्डी मसाले की महक को बढ़ाने पर बल दिया. जोनल विक्री प्रबन्धक शैलेन्द्र पाठक ने बताया कि गोल्डी उद्योग समूह को कई बार केन्द्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा पुरस्कृत किया जा चुका है. केन्द्रीय उद्योग मंत्रालय द्वारा गोल्डी को सेल्फ इंटरप्रेन्योरशिप एवार्ड व लैब टेस्ट एवार्ड एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उद्योगरत्न एवार्ड प्राप्त हो चुका है. लघु उद्योग मंत्रालय व कृषि एवं ग्रामीण उद्योग मंत्रालय द्वारा प्रदत्त नेशनल एक्सीलेन्सी एवार्ड प्राप्त कर चुका गोल्डी उद्योग समूह नित नई उंचाईयों पर पहुँच रहा है.

बिक्री महा प्रबंधक आलोक सेठ ने कहा कि भारतीय रसोईघरों की शान एवं शुद्ध जायके की जान, माने जाने वाला गोल्डी ब्राण्ड आज बेहतरीन स्वाद व उत्तम गुणवत्ता का प्रतीक बन चुका है. कार्यक्रम में स्थानीय वितरक, सह वितरक, क्षेत्रीय दुकानदार, केटरर्स तथा कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिनका स्वागत गोपाल अग्रवाल सुपर वितरक मे. श्याम एजेंसी ने किया. स्थानीय विक्री प्रबन्धक अरविन्द शर्मा ने अवगत कराया कि एक कम्पनी जो 45 वर्ष पहले एक लघु उद्योग के रूप में स्थापित की गई थी, वर्तमान समय में वह एक बड़े व्यापार संगठन में तबदील हो चुकी है.

खुदरा महंगाई में कमी की उम्मीद

लगातार सात महीनों से खुदरा महंगाई आरबीआई लक्ष्य से नीचे

खाद्य कीमतों और इनपुट लागत घटने से बनी नरमी की स्थिति

नई दिल्ली, 15 सितंबर. मॉर्गन स्टेनली की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले समय में खुदरा महंगाई दर में कमी देखने को मिल सकती है, जिससे भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को रेपो रेट में 50 आधार अंकों (0.5%) तक की कटौती के लिए पर्याप्त अवसर मिल सकता है.

रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 में हेडलाइन महंगाई दर औसतन 2.4% रहेगी, जिसके चलते आरबीआई अक्टूबर और दिसंबर 2025 में प्रत्येक में 25 आधार अंकों (0.25%) की कटौती कर सकता है.

रिपोर्ट में कहा गया है कि खाद्य उत्पादों की कीमतों में कमी, जीएसटी दरों में युक्तिकरण और इनपुट लागत के दबाव में कमी के कारण महंगाई दर में नरमी बनी रहेगी. पिछले सात महीनों से खुदरा महंगाई दर आरबीआई के 4% के लक्ष्य से नीचे चल रही है, जिसमें खाद्य कीमतों में गिरावट का बड़ा योगदान है. हालांकि, मुख्य महंगाई दर 4.2% के दायरे में है, लेकिन पिछले 22 महीनों से यह 3.1% और 4% से नीचे बनी हुई है, जो महंगाई में कमी का स्पष्ट संकेत है.

> रिपोर्ट के अनुसार, बेहतर फसल उत्पादन और अनुकूल आपूर्ति स्थिति के कारण खाद्य कीमतों में नरमी बनी रहेगी. जीएसटी सुधारों से भी समग्र मूल्य स्तरों में कमी का रुझान रहेगा. वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही में हेडलाइन महंगाई दर औसतन 2 .6% रहने की संभावना है, जबकि पूरे वर्ष के लिए यह 2 .4% रह सकती है. रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि जीएसटी युक्तिकरण के कारण चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही से घरेलू मांग में वृद्धि हो सकती है. हालांकि, टैरिफ के कारण विदेशी मांग पर कुछ असर पड़ सकता है.

एफपीओ में किसानों की हिस्सेदारी

तेलंगाना, यूपी, आंध्र, एमपी और महाराष्ट्र से सबसे ज्यादा सदस्य

नई दिल्ली, 15 सितंबर. देश में किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) में किसानों की शेयरधारिता बढ़ने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि इससे स्थानीय स्तर पर उपज को इकट्ठा करने और बड़े पैमाने पर काम करने से उत्पादन लागत को कम करने में मदद मिली है। पिछले पांच सालों में, 10,000 **से अधिक एफपीओ में** 50 **लाख से ज़्यादा किसान शेयरधारक बन चुके हैं।**

कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, कुल शेयरधारकों में से लगभग 50% अकेले पांच राज्यों से आते हैं। इनमें तेलंगाना (6.7 लाख), उत्तर प्रदेश (5.9 लाख), आंध्र प्रदेश (5.7 लाख), मध्य प्रदेश (3.2 लाख), और महाराष्ट्र (3 लाख) शामिल हैं। इन किसान समूहों में महिला किसानों की हिस्सेदारी भी उल्लेखनीय है, जो कुल 38% है।एक अधिकारी ने बताया कि एफपीओ में शेयरधारिता बढ़ने से छोटे और सीमांत किसानों का सामूहिकरण भी हुआ है। इसके अलावा, सदस्य किसानों को उर्वरक, फसल सुरक्षा उत्पाद और उपकरण जैसे कृषि इनपुट भी कम कीमतों पर मिल रहे हैं। सरकार ने फरवरी 2020 में 6,865 करोड़ रुपये के बजटीय प्रावधान के साथ 10,000 नए एफपीओ बनाने की योजना शुरू की थी। वित्त वर्ष 2025 में 340 एफपीओ ने 10 करोड़ रुपये से अधिक का बिक्री कारोबार किया है, जबकि 1,100 से अधिक किसान समूहों का कारोबार 1 करोड़ रुपये से अधिक रहा।

बैंक ऑफ इंडिया ने पूरे किये 120 साल

मुंबई, 15 सितंबर. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ इंडिया ने सोमवार को अपना 120वां स्थापना दिवस मनाया. महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के बीकेसी स्थित जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित भव्य समारोह में कर्मचारियों, हितधारकों और साझेदारों ने बैंक की विरासत को याद किया. बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी रजनीश कर्नाटक ने कहा कि 120 साल से बैंक ऑफ इंडिया केवल एक वित्तीय संस्था नहीं रहा, बल्कि देश की विकास गाथा का साझेदार रहा है. उन्होंने कहा, भविष्य में हमारा ध्यान स्पष्ट है - डिजिटल बैंकिंग में अग्रणी बनना, समावेशी विकास को बढ़ावा देना और किसानों, गिग वर्कर्स से लेकर कॉरपोरेट और उपेक्षित वर्गों तक समाज के हर हिस्से के लिए नवाचार करना.

स्मार्टफोन निर्यात 1 लाख करोड़ के पार

वित्त वर्ष 2026 की शुरुआती पाँच महीनों में 55% की वृद्धि दर्ज

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और फॉक्सकॉन ने मिलकर ?75,000 करोड़ का निर्यात

नई दिल्ली,15 सितंबर. देश का स्मार्टफोन निर्यात वित्त वर्ष 2026 **के शुरुआती पाँच महीनों में 1 लाख करोड़ के ऐतिहासिक आँकड़े को पार कर गया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 55% की भारी वृद्धि है.**

इस शानदार उपलब्धि का श्रेय मुख्य रूप से सरकार की उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (क्कलु) योजना को जाता है, जिसने भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित किया है.

इस वृद्धि में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और फॉक्सकॉन जैसी कंपनियों का बड़ा योगदान रहा है, जिन्होंने मिलकर लगभग ?75,000 करोड़ का निर्यात किया. यह आँकड़ा कुल निर्यात का लगभग तीन-चौथाई है, जो इन कंपनियों की भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़ती भूमिका को दर्शाता है.

अप्रैल-जून तिमाही में भारत स्मार्टफोन निर्यात के मामले में चीन को पीछे छोड़कर एक और बड़ी सफलता हासिल की है. इस दौरान भारत संयुक्त राज्य अमेरिका का सबसे बड़ा स्मार्टफोन आपूर्तिकर्ता बन गया. अमेरिकी बाजार में आयात होने वाले 44% स्मार्टफोन अब भारत में बनते हैं, जबकि एक साल पहले यह आँकड़ा केवल 13% था.

टेक पेशेवरों के लिए डिग्री से ज्यादा अपस्किलिंग अहम

नई दिल्ली.15 सितंबर. एक हालिया सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में टेक पेशेवर अब पारंपरिक डिग्री के बजाय तकनीक- आधारित, अनुभवात्मक शिक्षा और कौशल विकास को अधिक महत्व दे रहे हैं.

यह बदलाव इस बात का संकेत है कि भारत का नौकरी बाजार बदल रहा है और कार्यस्थलों व शैक्षणिक संस्थानों को अपनी रणनीतियों को अपडेट करना होगा.

न्यूयॉर्क स्थित वर्टेक्स ग्रुप के एक सर्वेक्षण में 2,500 से अधिक आईटी पेशेवरों में से 56% से ज़्यादा ने माना कि उनकी शैक्षणिक योग्यताएँ उद्योग की बदलती जरूरतों को पूरा नहीं करती हैं. यही वजह है कि 24% से अधिक पेशेवर अपनी योग्यता बढ़ाने के लिए ऑनलाइन कोर्सेस और डिजिटल प्रमाण-पत्रों पर निर्भर हैं. वर्टेक्स ग्रुप के सीईओ गगन अरोड़ा के अनुसार, प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता को सॉफ्ट स्किल्स के साथ मिलाना जरूरी है.करियर के चुनाव में वेतन अभी भी महत्वपूर्ण है (58.1%), लेकिन 59.4% पेशेवर ऐसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिनमें लगातार कौशल विकास की आवश्यकता होती है.

शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि में एआई आगे

मंत्री अशिवनी वैष्णव बोले-एआई जमीनी स्तर पर कर रहा परिवर्तन

नई दिल्ली, 15 सितंबर. केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि जैसे क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर बड़े बदलाव ला रहा है.

मीडिया से बातचीत में उन्होंने बताया कि एआई के इस्तेमाल से राजस्थान के टोंक में बच्चों की गणित शिक्षा में 100 प्रतिशत तक सुधार हुआ है, जबकि महाराष्ट्र और हिमाचल प्रदेश में भी सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं. मंत्री वैष्णव ने कहा, एआई जमीनी स्तर पर बड़े बदलाव ला रहा है. इससे शिक्षा, स्वास्थ्य और खेती में मदद मिल रही है.

> एआई से नौकरियों पर खतरे के सवाल पर सुब्रमण्यम ने कहा, ष्एआई से उत्पादक क्षमता बढ़ेगी, जैसा कंप्यूटर के आने पर हुआ था. इससे नई नौकरियां पैदा होंगी. यह बयान एआई के विस्तार के बीच रोजगार चिंताओं को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण है .एआई के ये बदलाव भारत को तकनीकी रूप से मजबूत बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में समावेशी विकास सुनिश्चित करेंगे.

इंडिगो जनवरी 2026 से एथेंस के लिए सीधी उड़ानें

मुंबई, 15 सितंबर. घरेलू एयरलाइन इंडिगो ने सोमवार को कहा कि वह अगले साल जनवरी से एथेंस, ग्रीस के लिए सीधी उड़ानें शुरू करेगी.एयरलाइन ने कहा कि वह इसके लिए अपना पहला एयरबस ए321 एक्सएलआर विमान तैनात करेगी, जिसकी आपूर्ति इस साल के अंत तक होने वाली है.इंडिगो ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि वह चालू वित्त वर्ष में 10 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए अपनी उड़ान सेवाएं शुरू करेगी.

गोल्डी मसाले के लिए हम करते हैं कड़ी मेहनत : सुदीप

संजीव कुमार शर्मा

ग्वालियर. भारत के सुप्रसिद्ध मसालों के निर्माता शुभम गोल्डी मसाले प्रा.लि. कानपुर के प्रबन्ध निदेशक सुदीप गोयनका वितरक व विक्रेताओं के सम्मान समारोह में शिरकत करने ग्वालियर आए. इस अवसर पर नवभारत ने उनसे बातचीत की.

गोल्डी मसाले की यात्रा बेहद सफल रही है अब आगे क्या?

-गोयनका ने बताया कि गोल्डी ने 45 साल में आरएलडी पर बहुत ध्यान दिया है. हमने हमेशा क्वालिटी पर ध्यान दिया है. हम भारत में पहली बार फ्रेश लॉक, जिप लॉक

आदि से सुसज्जित डिब्बे लेकर आए हैं. यह गोल्डी का रजिस्टर्ड है. साथ ही हमनें पाउच पर भी प्रोडक्ट का नाम छाप दिया हैं, जिससे पहचानने में आसानी होती हैं और मसाले खराब होने से बचते हैं.

विदेशों में भी गोल्डी की पहुंच है?

-गोयनका ने बताया कि गोल्डी के उत्पाद आज सिंगापुर, यमन, न्यूजीलैण्ड, एवं अरब देशों में फैल चुके हैं. यूके, अमेरिकन और आस्ट्रेलिया भी स्टार्ट कर रहें हैं.

गोल्डी का सफर 198 में स्टार्ट हुआ, आपने भी अपना योगदान दिया इस पर क्या कहेंगे?

-गोयनका ने कहा, देखिए पिछले 10 वर्षो में भारत ने जो तरक्की की है चाहे डिजिटल इंडिया हो, जनधन योजना हो, मोदी जी की हर योजना से देश आगे बढा हैं. आज मोबाइल से पेमेंट करने की हर व्यक्ति के पास एक ताकत आ गई है. गोल्डी ने भी आधुनिक तकनीक का बहुत पहले से इस्तेमाल करना शुरू कर दिया था.

सलमान खान आपके ब्रांड एंबेसडर है उनके जुड़ने से कितना फायदा हुआ?

-गोयनका ने कहा कि सलमान खान एक ऐसे स्टार है जिन्हें हर उम्र का व्यक्ति पसंद करता है. पैसे वाला भी, गरीब भी. उसी तरह गोल्डी मसाले को हर वर्ग पसंद करता है.

गोल्डी मसाले ने पूरे विश्व में जगह बनाई है कैसा महसूस करते हैं?

-गोयनका ने कहा, पूरा विश्व भारत को देख रहा है. भारत नॉर्थ इंडिया को देख रहा है और उत्तर प्रदेश का मुख्य औद्योगिक शहर कानपुर है तो कानपुर की विश्व में भूमिका होनी चाहिए.

समाचार विशेष

आरजेडी ने तय कर दिया सीट बंटवारे का फार्मूला

पटना. बिहार महागठबंधन में आरजेड़ी ने सीट बंटवारे का फार्मूला तय कर दिया है और इसकी जानकारी अपने सहयोगी दलों को दे दी है. आरजेडी के फॉर्मूल पर कांग्रेस तिलमिला गयी है. इस सीट बंटवारे के फार्मूले से नाराज कांग्रेस के बिहार प्रभारी ने तो यहां तक कह दिया कि बिहार का मुख्यमंत्री कौन होगा ये यहां की जनता तय करेगी. अब जरा सोचिए इसी गठबंधन के भरोसे महागठबंधन सत्ता में आने का सपना देख रही है और चुनाव से पहले ये हाल है.

बिहार विधानसभा चुनाव का काउंट डाउन शुरू हो चुका है. इसके साथ ही महागठबंधन में आरजेड़ी ने अपनी ओर से सीट बंटवारे का फार्मूला तय कर दिया है. आरजेड़ी ने अपने सहयोगियों के साथ कई मैराथन बैठके की और अब सीटों के बंटवारे का फार्मूला आरजेड़ी ने अपने सहयोगियों को बता दिया है. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक आरजेड़ी ने अपने खाते में 136 सीट रखी है जबकि कांग्रेस को 52 सीट दी है. तीनों वाम दल सीपीआई, सीपीआईएम और सीपीआईएमएल को 34 सीट दी है. 20 सीट मुकेश साहनी के खाते में गई हैं.

इस फॉर्मूले की जानकारी मिलने के बाद आरजेड़ी की सबसे बड़ी सहयोगी कांग्रेस के नेताओ में भारी नाराजगी है. कांग्रेस के नेताओं ने इस फार्मूले की जानकारी अपने आलाकमान को दे दी है. जिसके बाद नाराजगी का आलम यह है कि पटना पहुंचे बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारु ने महागठबंधन के मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर साफ शब्दों में कह दिया कि मुख्यमंत्री कौन होगा इसका फैसला जनता करती है.

उपमुख्यमंत्री बनने का सपना सजाए बैठे वीआईपी पार्टी के नेता 20 सीट लेने को राजी नहीं हैं. महागठबंधन के दो प्रमुख और बड़े दल आरजेड़ी-कांग्रेस ने तय किया है कि विजय मार्ग पर बढने् के लिए दोनों दल थोड़ा-थोड़ा त्याग करेंगे ताकि नए साथियों को चुनाव मैदान में किस्मत आजमाने का मौका मिल सके.

> वैसे भले ही तेजस्वी यादव अपने सीट बंटवारे के फार्मूला को गठबंधन के अन्य घटक पर थोपने की कोशिश कर रहे है लेकिन, उनका यह फार्मूला शायद ही किसी सहयोगी को मंजूर हो. पेंच वहां भी है कि भारी मन से साथ में जुड़े पशुपति पारस ओर जेएमएम को क्या मिलेगा?

बाप ने रोका काफिला, बेटे ने मिलाया हाथ

रायबरेली में सियासत का अनोखा नजारा

लखनऊ. रायबरेली के सियासी माहौल और राजनीतिक हलचल में दो बिल्कुल विपरीत तस्वीरें एक साथ सामने आईं. एक दिन पहले जो योगी सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह अपने समर्थकों के साथ राहुल गांधी का काफिला रोककर प्रदर्शन कर रहे थे, वही अगले दिन 'दिशा' की बैठक में मुस्कुराते हुए नजर आए.

इतना ही नहीं, उनके बेटे पीयूष प्रताप सिंह तो राहुल गांधी से गर्मजोशी से हाथ मिलाते दिखे. यह घटनाक्रम गुरुवार को पूरे दिन चर्चा का विषय बना, जिसने राजनीति के अनूठे और अलग रंग को पेश किया. गुरुवार को जब सांसद राहुल गांधी कलेक्ट्रेट में 'दिशा' की बैठक की अध्यक्षता करने पहुंचे तो माहौल पूरी तरह बदला हुआ था. बैठक शुरू होते ही ऊंचाहार से विधायक मनोज पांडे ने प्रधानमंत्री की मां पर की गई कथित टिप्पणी का मुद्दा उठाया और निंदा प्रस्ताव की मांग की. जब उनकी मांग को स्वीकार नहीं किया गया, तो उन्होंने यह कहते हुए बैठक का बहिष्कार कर दिया कि प्रधानमंत्री की मां का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. इस वजह से बैठक की शुरुआत थोड़ी तनावपूर्ण रही. बैठक के बहिष्कार के बाद भी कार्यवाही जारी रही.

राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने जिले के विकास से जुड़े कई अहम मुद्दे उठाए. उन्होंने पुलों की टूटी रेलिंग का मामला उठाया और अधिकारियों से इसकी सूची मांगकर तत्काल मरम्मत के निर्देश देने को कहा. इसके अलावा, छतोह के धरई भुआल गांव में बने एएनएम सेंटर का मुद्दा भी उठा, जिस पर सांसद राहुल गांधी ने जांच कराकर उसे जल्द शुरू कराने का आश्वासन दिया.

बीआरएस, बीजद ने क्यों दूरी बनाई?

नई दिल्ली. उप राष्ट्रपति के चुनाव में सब कुछ वैसे ही हुआ, जैसा सोचा गया था. किसी को अप्रत्याशित नतीजे आने की उम्मीद नहीं थी. आजाद भारत के इतिहास में कभी भी सत्तापक्ष का उप राष्ट्रपति का उम्मीदवार चुनाव नहीं हारा है.

एचडी देवगौड़ा सरकार की ओर से खड़े किए गए उम्मीदवार कृष्णकांत भी बड़े अंतर से चुनाव जीत गए थे. फिर नरेंद्र मोदी की सरकार के उम्मीदवार की हार तो सोची ही नहीं जा सकती थी. सो, जैसे नतीजे उम्मीद के मुताबिक आए वैसे ही पार्टियों का पोजिशनिंग भी उम्मीद के मुताबिक रही. वाईएसआर कांग्रेस ने सरकार के उम्मीदवार का समर्थन किया तो बीजू जनता दल और भारत राष्ट्र संघ ने मतदान से दूरी बनाई.

बीजू जनता दल और भारत राष्ट्र समिति दोनों के दूरी बनाने के अपने अपने कारण हैं. चंद्रशेखर राव की पार्टी बीआरएस भाजपा का समर्थन कर सकती थी लेकिन पिछले दिनों पार्टी के अंदर इसी बात का विरोध चल रहा था कि कुछ लोग पार्टी को भाजपा के साथ ले जाना चाहते हैं.

विशेष | **बीएमसी चुनाव में फंस गए राहुल गांधी, अब शिवाजी के नाम पर होगा खेला!**

कांग्रेस ने बैठे-बिठाए भाजपा को दिया मौका

मंबई. महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों से पहले बैठे.बिठाए भाजपा को मुद्दा मिल गया है. यह मुद्दा किसी और ने नहीं बल्कि खुद कांग्रेस पार्टी ने थमा दिया है. दरअसल कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बेंगलुरु के शिवाजीनगर मेट्रो स्टेशन का नाम सेंट मैरी के नाम पर रखने की सिफारिश की है.

इससे न केवल स्थानीय स्तर पर हंगामा मचा है, बल्कि महाराष्ट्र में भी इसे छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान बताया जा रहा है. भाजपा ने इस मुद्दे को लपक लिया है और बीएमसी चुनाव से पहले वह इसे भुनाने में जुट गई है. खुद मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस इस मुद्दे पर मैदान में उतर चुके हैं.

मुंबई महानगरपालिका बीएमसी चुनावों के मद्देनजर यह विवाद कांग्रेस के लिए मुसीबत बन गया है. बीएमसी में राहुल गांधी की पार्टी पहले से ही दबाव में है. भाजपा को यह तुष्टिकरण का मुद्दा मिल गया है. वह इस मुद्दे पर शिवसेना यूबीटी को भी घेरने की रणनीति बना रही है. क्योंकि शिवसेना यूबीटी उस महाविकास अघाड़ी (एणवीए) का हिस्सा है जिसमें कांग्रेस और एनसीपी शरद गुट हैं. बीएमसी में शिवसेना यूबीटी की स्थिति मजबूत रही है. वह खुद शिवाजी के नाम को दोहराती रहती है. वह उनके नाम को मराठा अस्मिता से जोड़ती रही है. ऐसे में वह भी सिद्दारमैया के फैसले से बैकफुट पर आ गई है.

विवाद की शुरुआत- इस विवाद की शुरुआत 8 सितंबर को सेंट मैरी बेसिलिका के वार्षिक उत्सव के दौरान हुई, जब सिद्धारमैया ने कहा कि उन्होंने केंद्र सरकार को स्टेशन का नाम सेंट मैरी रखने की सिफारिश भेज दी है. यह प्रस्ताव शिवाजीनगर के विधायक रिजवान अरशद की मांग पर आधारित था, जो इलाके के ऐतिहासिक चर्च को सम्मान देने का प्रयास था. लेकिन भाजपा ने इसे तुरंत अपमान का रंग दे दिया. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने इसे शिवाजी महाराज का अपमान बताते हुए कहा कि कांग्रेस का यह परंपरागत तुष्टिकरण पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू काल से चला आ रहा है.

> **शिवसेना यूबीटी भी बैकफुट पर**
>
> इस मुद्दे पर कांग्रेस की सहयोगी शिवसेना यूबीटी भी बैकफुट पर है. दूसरी तरफभाजपा और एकनाश शिंदे की शिवसेना इस मुद्दे को पूरे जोरशोर से उठा रही है. ये दल इस मुद्दे को हिंदू.मराठा वोट बैंक को एकजुट करने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं. शिवाजी महाराज महाराष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान हैं और उनका नाम बदलने का प्रस्ताव मराठा समुदाय में आक्रोश फैला सकता है. जानकारों का मानना है कि यह कांग्रेस को मुस्लिम तुष्टिकरण का ठप्पा लगाने का मौका देगा.